राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह आयोजित

विद्यार्थियों को निरंतर नया सीखने और आगे बढ़ने का किया आह्वान

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का हो प्रभावी क्रियान्वयन– राज्यपाल

जयपुर, 5 अप्रैल। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में शिक्षा की महती भूमिका बताते हुए विश्वविद्यालयों में अध्ययनकृअध्यापन के साथकृसाथ विद्यार्थियों के कौशल विकास पर भी अधिकाधिक ध्यान दिए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रमों का निर्माण कर उनका प्रभावी प्रसार करे जिससे विद्यार्थी निरंतर नया सीखने और व्यावसायिक दृष्टि से अपने आपको आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रवृत हो सके।

राज्यपाल श्री मिश्र बुधवार को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सबके लिए आसान पहुंच, गुणवत्ता के साथ जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीखना ही शिक्षा का विज्ञान होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों को पढ़ाने की अपनी भूमिका के साथ समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए युवाओं के मार्गदर्शन के लिए भी निरंतर कार्य किए जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने प्राचीन भारत के नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला जैसे प्रख्यात विश्वविद्यालयों की चर्चा करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के साथ ही जीवन से जुड़ी व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते थे। इसी बात की आज भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि महाराज सूरजमल बृज विश्वविद्यालय को शोध एवं अनुसंधान की मौलिक संस्कृति का विकास करे। इसके साथ ही स्थानीय इतिहास, कला और संस्कृति से जुड़े ऐसे विषयों पर शोध को भी यहां प्रोत्साहन मिले जिससे विद्यार्थी अपने पुरातन वैभव को सहेज कर आधुनिक दृष्टि से उनका उपयोग करने में सक्षम हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालयों के जरिए ऐसा शिक्षा मॉडल विकसित करने पर भी जोर दिया जिससे जिससे न केवल मस्तिष्क विकसित हो बल्कि युवाओं की सकारात्मक मानसिकता भी बने।

राज्यपाल श्री मिश्र ने विश्वविद्यालय में बेटियों के उम्दा प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अधिकाधिक अवसर पद्रान करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने आरम्भ में सभी को संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया और संविधान की भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों को अपनाने पर भी जोर दिया।

समारोह में नोबल अवार्ड विजेता प्रो. रोजर डी कार्नवर्ब, नोबल लॉरियट, स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, प्रो. वेद प्रकाश नंदा, डेनवर विश्वविद्यालय, कोलोराडोकृसंयुक्त अमेरिका, डॉ. दायसादू इकेता, अध्यक्ष सेका गाकी इन्टरनेशनल जपान, श्री आर. वेंकटरमणी, अटार्नीजनरल आफ इण्डिया भारत सरकार, न्यायमूर्ति डॉ. दलवीर भण्डारी, इन्टरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस,हेग, नीदरलैण्ड को मानद डॉक्टरेट उपाधियां प्रदान की गई। श्री मिश्र ने इन सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह सभी अपने अपने क्षेत्र के मूर्धन्य विद्वान हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन सबके विश्वविद्यालय से जुड़ाव से अकादमिक स्तर पर विश्वविद्यालय नये आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने वर्ष 2020 के शेष रहे तथा वर्ष 2021 के 40 हजार 541 विद्यार्थियों को उपाधियां, एक कुलाधिपति पदक, समाज द्वारा प्रदत्त 3 पदक, 31 स्वर्ण तथा 10 रजत पदकों सहित कुल 45 पदक भी प्रदान किए।

इससे पहले दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. वी. आर. मेहता, अटार्नी जनरल ऑफ इंडिया श्री आर. वेंकटरमणी ने भी अपने विचार रखे। कुलपति प्रो. रमेश चन्द्रा ने विश्वविद्यालय से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

––––––